वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एमएचडी-04

काव्यशास्त्र एवं समालोचना

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

प्रश्न बैंक

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न।

अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द।

1. काव्य के कितने पक्ष होते हैं?
2. राजशेखर ने काव्योक्ति के बारे में क्या कहा है?
3. काव्य लक्षण किसे कहते हैं?
4. लक्षण काव्य किसे कहते हैं?
5. काव्य को व्यापार प्रधान मानने वाले आचार्य कौन-कौन हैं?
6. मम्मट ने काव्य के क्या लक्षण निर्धारित किये हैं?
7. कालीदास ने काव्य का रूपक क्या दिया है?
8. उपनिषद अखण्ड ब्रह्माण्ड के नायक 'ब्रह्म' को किस नाम से पुकारते हैं?
9. ब्रम्हानंद के सहोदर किसे कहा जाता है?
10. चन्द्रालोक, काव्यादर्श तथा साहित्य-दर्पण नामक काव्यशास्त्रीय ग्रंथों के लेखकों के नाम लिखो।
11. पंडितराज जगन्नाथ ने काव्य की क्या परिभाषा दी है?
12. नाटक एकांकी आदि काव्य के किस भेद के अन्तर्गत आते हैं?
13. शैली के अनुसार श्रव्य-काव्य के भेदों का नामोल्लेख कीजिए।

14. पद्य-काव्य के विभिन्न भेदों का नामोल्लेख कीजिए।

15. मिल्टन तथा होमर द्वारा लिखे किन्हीं दो-दो महाकाव्यों के नाम लिखो।

16. विकसनशील महाकाव्य किसे कहते हैं?

17. मुक्तक काव्य के कौन-कौन से गुण होने चाहिए।

18. गीति काव्य के तत्व कौन-कौन से हैं?

19. मुख्य रूप से गीतों को कितने रूपों मे बाँटा जा सकता है? नाम लिखिए।

20. पाश्चात्य काव्याचार्यों ने गीतिकाव्य के कितने भेद किये?

21. काव्य-हेतु किसे कहते हैं?

22. संस्कृत काव्यशास्त्र के अनुसार काव्य हेतुओं का नामोल्लेख कीजिए।

23. काव्य-हेतु 'प्रतिभा' के संबंध में वामन के क्या विचार हैं?

24. राजशेखर ने प्रतिभा के कितने प्रकार बताए हैं? नामोल्लेख कीजिए।

25. पश्चिमम में काव्य प्रेरणा संबंधी दो मत कौन-कौन से हैं?

26. राजशेखर के अनुसार व्युत्पत्ति क्या है?

27. युंग ने प्रतिभास किसे माना है?

28. युंग ने मन के कौन-कौन से स्तर बताए हैं?

29. गणपतिचन्द्र गुप्त ने भक्त कवियों के काव्य का अधार किन प्रेरणाओं को बताया हैं?

30. बाबू श्यामसुंदर दास ने काव्य प्रेरणा के लिए किन मनोवृत्तियों की चर्चा की है?

31. आचार्य मम्मट द्वारा बताए गये काव्य के प्रयोजन कौन-कौन से हैं?

32. किस कवि ने काव्य का प्रयोजन 'लोक-मंगल' अथवा 'सर्व-हिताय' घोषित किया है।

33. आचार्य वामन ने काव्य के कौन-कौन से प्रयोजन बताए हैं?

34. 'काव्यालंकारसूत्रवृत्ति' नामक ग्रंथ के रचयिता कौन हैं?

35. चार पुरुषार्थों (धर्म,अर्थ,काम,मोक्ष) की प्राप्ति को काव्य का प्रयोजन किसने माना है?

36. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आद्याचार्य कौन हैं?

37. काव्यशास्त्र के क्षेत्र में अरस्तु ने कौन-कौन से सिद्धान्त दिये हैं?

38. नव-अभिव्यंजनवाद का उदय कब और कहाँ हुआ?

39. स्वच्छंदतावादी विचारधारा के प्रवर्तन का श्रेय किसे दिया जाता है?

40. मनोविश्लेषणवादी चिंतनधारा के जनक कौन हैं?

41. काव्यशास्त्र की परिभाषा लिखो।

42. काव्यशास्त्र के प्रमुख कार्य कौन-कौन से हैं?

43. नाट्यशास्त्र के रचयिता कौन हैं तथा इसकी विषय-वस्तु क्या है?

44. अलंकार सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं?

45. आचार्य आनन्दवर्धन ने ध्वनि की क्या परिभाषा बताई है?

46. 'विशिष्टा पदरचना रीति: विशेषों गुणात्मा' किसका कथन है?

47. वक्रोक्ति के भेदोंपभेदों का नामोल्लेख कीजिए।

48. वक्रोक्ति को 'लोकोत्तर चमत्कारि वैचित्र्य सिद्धि' किसने कहा है?

49. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने अलंकार की क्या परिभाषा दी है?

50. आनन्दवर्धन द्वारा बताए गये गुणों का नामोल्लेख कीजिए।

51. स्थायी भावों की संख्या कितनी हैं?

52. 'करुण' एवं 'विभत्स' रसों के स्थायी भावों के नाम लिखो।

53. विभाव के भेदों का नामोल्लेख कीजिए।

54. अनुभाव के प्रकारों का नामोल्लेख कीजिए।

55. सात्विक अनुभाव संख्या में कितने माने जाते हैं? नाम लिखो।

56. संचारीभाव किसे कहते हैं?

57. भुक्तिवाद के जनक कौन हैं?

58. 'चित्रतुरंगन्याय' का मत देने वाले आचार्य कौन हैं?

59. किन्हीं पाँच संचारीभावों का नामोल्लेख कीजिए।

60. उत्पत्तिवाद का सिद्धांत किसने दिया?

61. अलंकार सिद्धांत के प्रवर्तक कौन हैं.

62. 'न कान्तामपि निर्भूषं विभाति वनितामुंखम्' किस ग्रंथ से लिया गया है तथा उसके ग्रंथकार कौन हैं?

63. 'काव्यालंकार सार-संग्रह' नामक ग्रंथ के निर्माता कौन हैं?

64. अलंकार वर्गीकरण से संबंधित कितने सिद्धांत हैं? नामोल्लेख कीजिए।

65. आचार्य रुद्रट ने रीति के कितने भेद किये हैं? नाम लिखो।

66. शब्द गुण कितने होते हैं? नामोल्लेख कीजिए।

67. अर्थ गुण कितने होते हैं? नामोल्लेख कीजिए।

68. औचित्य सम्प्रदाय के प्रतिष्ठापक कौन हैं?

69. आचार्य क्षेमेन्द्र ने औचित्य के कितने भेद किये हैं? किन्हीं तीन के नाम लिखो।

70. रीति को काव्य की आत्मा किसने कहा?

71. भारत का प्रथम रोमांटिक आलोचक कौन है?

72. ध्वनि की परिभाषा लिखो।

73. ध्वनि सम्प्रदाय के प्रवर्तक तथा उनके ग्रंथ का नाम लोखो।

74. ध्वनि के अनुसार उत्तम काव्य के कितने भेद किये हैं? नामोल्लेख कीजिए।

75. ध्वनि सिद्धांत की आधारशीला कौन सी शब्द शक्ति है?

76. आचार्य कुन्तक ने किस सम्प्रदाय की स्थापना की?

77. आचार्य कुन्तक ने वक्रोक्ति के कितने भेद किये? नाम लिखो।

78. आचार्य रुद्रक कृत वक्रोक्ति के भेदों का नामोल्लेख कीजिए।

79. वक्रोक्ति के संबंध में 'सादृश्यालक्षणा वक्रोक्तिः' किसने कहा है?

80. आचार्य कुन्तक कृत शैली के भेदों का नामोल्लेख कीजिए।

81. रस सिद्धांत के प्रवर्तक आचार्य एवं उनके ग्रंथ का नाम लिखो।

82. आचार्य रामचंद्र शुक्ल एवं डॉ. नगेन्द्र के रस से संबंधित ग्रंथों का नाम लिखो।

83. आचार्य शुक्ल कृत रस की परिभाषा लिखो।

84. भरत के रस निष्पत्ति के सूत्र को लिखो।

85. रस के अवयव स्थायी भावों का नमोल्लेख कीजिए।

86. आश्रय किसे कहते हैं?

87. विभाव किसे कहते हैं?

88. भरत के रस निष्पत्ति के सूत्र के व्याख्याकारों के नाम लिखो।

89. भट्टनायक ने अपने मत की पुष्टि के लिए किन किन कार्य व्यापारों की कल्पना की?

90. भरत के रस निष्पत्ति के सूत्र के व्याख्याकारों में न्याय मीमांसक कौन हैं?

91. भट्टनायक के अनुसार साधारणीकरण क्या है?

92. साधारणीकरण के प्रवर्तक कौन हैं?

93. आचार्य मम्मर के अनुसार साधारणीकरण किन-किन का होता है?

94. स्थायी भावों तथा विभावादि का साधारणीकरण किस आचार्य ने माना है?

95. आचार्य धनंजय रस की अवस्थिति किसमे स्वीकार करते हैं?

96. आचार्य नंददुलारे वाजपेयी का साधारणीकरण संबंधी मत क्या है?

97. 'साहित्यालोचन' के रचयिता कौन हैं?

98. 'सिद्धांत और अध्ययन' नामक ग्रंथ के कर्ता कौन हैं?

99. साधारणीकरण किसका होता है? डॉ नगेन्द्र का मत लिखो।

100. साधारणीकरण का मूल उद्देश्य क्या है?

101. अरस्तू का जन्म कब और कहाँ हुआ?

102. अरस्तू ने कुल कितने ग्रंथों की रचना की?

103. अरस्तू के काव्यशास्त्र से संबंधित ग्रंथ का नाम लिखो।

104. अरस्तू मेरे विद्यापीठ का मस्तिष्क है और शेष विद्यार्थी उसके शरीर हैं। यह कथन किसका है?

105. कविता अनुकरण का अनुकरण है। यह मत किसका है?

106. 'उसने काव्य को दार्शनिक, राजनीतिज्ञ तथा नीतिशास्त्र के अत्याचारों से मुक्त किया।' यह कथन किसने व किसके लिए कहा?

107. त्रासदी की परिभाषा लिखो।

108. त्रासदी के तत्वों का नामोल्लेख कीजिए।

109. अरस्तू के परवर्ती व्याख्याकारों ने लक्षण के अधार पर विरेचन के कितने अर्थ किये हैं? नाम लिखो।

110. अरस्तू के अनुसार संगीत का अध्ययन किन-किन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए होना चाहिए।

111. टी. एस. इलियट के सम्पादकत्व में निकलने वाले त्रैमासिक पत्र का नाम लिखो।

112. सच्ची आलोचना और शूक्ष्म प्रशंसा का लक्ष्य कवि नहीं काव्य है। यह कथन किसका है।

113. टी.एस. इलियट ने पूरे समाज की जीवन पद्धति के कौन-कौन से घटक तत्व माने हैं?

114. टी. एस. इलियट द्वारा लिखित किन्हीं तीन लेखों के शीर्षकों का नामोल्लेख कीजिए।

115. निर्वैयक्तिकता के सिद्धांत के प्रतिपादक कौन हैं?

116. विभावन व्यापार का अर्थ क्या है?

117. टी. एस. इलियट की भाषा संबंधी अवधारणा पर किन विद्वानों का प्रभाव देखा जा सकता है?

118. इलियट द्वारा बताए आलोचना के उद्देश्यों का नामोल्लेख कीजिए।

119. टी. एस. इलियट द्वारा स्थापित किन्हीं तीन मान्यताओं का नाम लिखों।

120. इलियट के अनुसार भाव और संवेदना की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति किसकी भाषा में ही हो सकती है?

121. मार्क्सवाद के जनक कौन दो महान विचारक है?

122. मार्क्स और एंगेल्स के चिंतन के दो प्रमुख आधार स्तम्भ कौन-कौन से हैं?

123. मार्क्स के पीएच. डी. शोध प्रबन्ध का विषय क्या था?

124. मार्क्स के प्रसिद्ध ग्रंथ 'कैपिटल' का प्रकाशन कब हुआ?

125. मार्क्स कि जर्मनी छोड़कर ब्रसेल्स क्यों जाना पड़ा?

126. मार्क्सवाद के दो स्वरूप कौन-कौन से हैं?

127. ऐतिहासिक भौतिकवाद की क्या मान्यता है?

128. मार्क्स के अनुसार कौनसी व्यवस्था शोषण पर आधारित है तथा किस वर्ग का शोषण होता है?

129. मार्क्स ने वर्गों के मध्य विचारधारात्मक संघर्ष में महत्वपूर्ण हथियार किसे माना है?

130. मार्क्स ने धर्म को किसकी संज्ञा दी है?

131. अभिव्यंजनावाद के जनक कौन हैं? तथा उनके ग्रंथ का नाम लिखो।

132. क्रोचे द्वारा बताई ज्ञान की क्रियाओं के भेदों का नामोल्लेख कीजिए।

133. क्रोचे के अनुसार कला रचना की चार अवस्थाओं के नाम लिखो।

134. क्रोचे का अभिव्यंजनावाद वस्तुतः किस सिद्धान्त को समृद्ध करता है?

135. आचार्य रामचन्द्र के अनुसार ''क्रोचे का अभिव्यंजनावाद'' संस्कृत के किस सिद्धान्त का विलायती उत्थान है?

136. क्रोचे के अनुसार कथा की अन्तिम अवस्था जो सामाजिक तक पहुँचती है, किस कोटि की होती है?

137. काव्य में अभिव्यंजनावाद' नामक निबंध के लेखक कौन है?

138. क्रोचे के अभिव्यंजनावाद की हिन्दी में चर्चा किसी विद्वान के कारण शुरू हुई?

139. ''अभिव्यंजनावाद बेलबूटे और नक्काशियों के संबंध में तो ठीक घटता है, पर काव्य की सच्ची मार्मिक भूमि से बहुत दूर भागता है।'' यह कथन किसका है?

140. क्रोचे कला में रूप का महत्त्व स्वीकार करते हैं या वस्तु का?

141. फ्रायड के सिद्धान्तों की प्रसिद्ध पुस्तक का नाम लिखो।

142. फ्रायड ने अपने ग्रंथ को मोटे तौर पर कितने खण्डों में विभक्त किया? नामोल्लेख कीजिए।

143. फ्रायड के मनोविश्लेषण सिद्धान्त को समझने के कितने सूत्र हैं? नाम लिखो।

144. फ्रायड का जन्म कब और कहाँ हुआ?

145. इदम्, अहम और आदर्श अहम के नाम से फ्रायड ने किसका विभाजन किया?

146. फ्रायड के अनुसार मनोविश्लेषण के कौन से दो सिद्धान्त ऐसे हैं जो सारी दुनिया को नाराज करते हैं?

147. फ्रायड के अनुसार कुण्ठाओं के जन्म का क्या कारण है?

148. हिन्दी के तीन लेखकों का नामोल्लेख कीजिए जिन पर फ्रायड के विचारों का प्रभाव है।

149. वैयक्तिक मनोविज्ञान का सिद्धान्त किसने दिया?

150. ''व्यक्तित्व के प्रकारों'' का सिद्धान्त किसका है?

151. जार्ज लुकाच के साहित्य चिन्तन की आधार भूमि क्या है?

152. यथार्थवाद के सर्वाधिक प्रामाणिक व्याख्याता कौन माने जाते हैं?

153. माक्र्सवादी सौन्दर्यशास्त्र की नींव रखने वाले चिन्तक का नाम लिखो।

154. लुकाच के अनुसार 'राजनीति' किसे कहा जाता है?

155. बालजाक का उदाहरण देते हुए लुकाच ने यथार्थवादी साहित्य सृष्टि की कौनसी समस्या को बताया।

156. गद्य की कौनसी विधा लुकाच के साहित्य चिन्तन के केन्द्र में रही।

157. 'समाजवाद का निर्माण पूँजीवादी व्यवस्था में पले बढ़े लोग ही करेंगे।' यह कथन किसका है?

158. लुकाच के अनुसार आज कैसे साहित्य की आवश्यकता है?

159. प्रकृतिवाद द्वारा प्रस्तुत की गई नई वस्तु तथा अभिव्यक्ति के नये साधन का साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा?

160. अपने चरित्रों के उद्‌भव और विकास को अपनी इच्छा के अनुसार निर्देशित करने वाला लेखक कैसा होता है?

161. 'दि प्रिंसिपल्स आफ लिटरेरी क्रिटीसिज्म' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

162. आइ.ए. रिचर्ड्स द्‌वारा बताए आलोचना के उद्‌देश्यों को लिखो।

163. रिचर्ड्स द्‌वारा बताए आलोचना के साधन कौन-कौन से हैं?

164. रिचर्ड्स ने भाषा के कितने रूप माने हैं? लिखो।

165. रिचर्ड्स ने आलोचना के कितने सिद्‌धान्त दिये? नाम लिखो।

166. रिचर्ड्स की व्यावहारिक आलोचना संबंधी समस्याओं में से किन्हीं चार का नामोल्लेख कीजिए।

167. रिचर्ड्स आलोचना के कितने पक्ष मानते हैं? नामोल्लेख कीजिए।

168. रिचर्ड्स ने एक सहलेखक 'आग्डेन' के साथ मिलकर कैनसी पुस्तक लिखी?

169. रिचर्ड्स का आलोचना संबंधी चिंतन किस पर आधारित है?

170. रिचर्ड्स के अनुसार 'मूल्य' क्या है?

171. अस्तित्ववाद की स्थापना क्या है?

172. सार्त्र ने अस्तित्वाद की व्याख्या किस तरह की है?

173. ''मैं एक ऐसी काल कोठरी में कैद हूँ जिसके न दरवाजे हैं और न खिड़किया और बाहर निकलने के तमाम रास्ते बन्द हैं।'' यह कथन किसका है?

174. अस्तित्ववाद की कौन-कौन सी विचारधाराएँ हैं? नामोल्लेख कीजिए।

175. दुःख का हेतु क्या है?

176. तृष्णा के भेदों का नामोल्लेख कीजिए।

177. दुःख निरोध किसे कहते हैं?

178. ''ब्रह्म और जगत् के बीच अभिन्न एकता है और वे दो परस्पर विरोधी छोर न होकर एक दूसरे के साथ हैं।'' उक्त बात कौनसा दर्शन कहता है?

179. तारसप्तक के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी में किस तरह के साहित्य का शुभारम्भ होता है?

180. जीवन के चार आर्यसत्य कौन-कौन से हैं?

181. अभिजात्यवाद की प्रवृत्तियों का नामोल्लेख कीजिए।

182. हिन्दी में अभिजात्यवाद अंग्रेजी के किस शब्द के लिए प्रयुक्त हुआ?

183. अभिजात्यवाद का जन्म किस देश में हुआ?

184. नव्यअभिजात्यवादको किस अन्य नाम से भी जाना जाता है?

185. परम्परा, प्राचीन मूल्यों, सत्य, विवेक, मर्यादा, संतुलन आदि में बंधा वाद कौनसा है?

186. स्वच्छन्दतावाद किन-किन प्रवृत्तियों का पोषक है?

187. स्वच्छन्दतावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का नामोल्लेख कीजिए।

188. स्वच्दन्दतावाद के प्रवर्तक आलोचनों का नामोल्लेख कीजिए।

189. टी.एस. इलियट ने स्वच्छन्दतावाद की क्या परिभाषा दी है?

190. किस विचारक के काव्य चिन्तन में अभिजात्यवाद का बीज-वपन हो चुका था?

191. आधुनिकतावाद का उदय कहाँ हुआ?

192. आधुनिकतावादी आंदोलन और साहित्य का विशिष्ट गुण लक्षण क्या है?

193. आधुनिकतावाद किन-किन के प्रति विद्रोह करता है?

194. आधुनिकीकरण से संबंधित आनुनिकतावादी साहित्य की दो कोटियाँ कौन-कौन सी हैं?

195. हिन्दी में आधुनिकतावाद का आरम्भ किस वाद से माना जाता है?

196. अज्ञेय ने आधुनिकतावाद की तरह किन को काव्य सिद्धान्त का रूप दिया?

197. कलह और धर्म ने अपनी अस्मिता की खोज कैसे की?

198. सलमान रूशदी ने अपनी पुस्तक "शैतानी आयतें" का विरोध किये जाने पर क्या कहा?

199. "आधुनिक व्यक्ति यौन वर्जनाओं का पुन्ज है और यथार्थ दर्शन कुण्ठा उत्पन्न करता है।" किसका कथन है?

200. "सम्पूर्ण जलसाघर केवल कुछेक शब्दों का चमत्कार है।" यह कथन किसका है?

201. उत्तर-आधुनिकतावाद कब से शुरू होना माना जाता है?

202. उत्तर-आधुनिकतावाद की दो विशेषताएँ लिखो।

203. हिन्दी में उत्तर-आधुनिकता को प्रचारित-प्रसारित करने का श्रेय किसे जाता है?

204. पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु' ने उत्तर-आधुनिकतावादी आलोचना के कौन-कौन से अभिलाक्षणिक उपकरण बताए हैं?

205. केन्द्रविहीनता ट्रेन्सेक्टिरिंग की धारणा किसकी है?

206. हिन्दी में उत्तर-आधुनिकतावादी दो कृतियों एवं उनके लेखकों का नामोल्लेख कीजिए।

207. उत्तर-आधुनिकता के बाद कौन-कौन से विमर्श सामने आए?

208. उत्तर-आधुनिकतावाद का अन्त कब से माना जाता है?

209. डिकंस्ट्रशन की धारणा किसकी है?

210. उत्तर-आधुनिकतावादियों की दो प्रमुख धारणाएँ कौन-कौन सी हैं?

211. आलोचना का सूत्रपात किस युग से माना जाता है?

212. श्रीधर पाठक की कृति एकान्तवासी योगी किस कृति का अनुवाद है तथा उसके लेखक कौन हैं?

213. 'समालोचक' नामक पत्र कहाँ से व किस सन् में प्रकाशित होना प्रारम्भ हुआ?

214. 'ऐतिहासिक समीक्षा' के अन्तर्गत आने वाले किन्हीं तीन आलोचकों के नाम लिखो।

215. सैद्धान्तिक समीक्षा करने वाले तीन आलोचकों का नामोल्लेख कीजिए।

216. व्यावहारिक समीक्षा के अन्तर्गत शुक्लोत्तर समीक्षकों में सर्वोच्च स्थान किसका है?

217. देवराज उपाध्याय की समीक्षा दृष्टि क्या थी?

218. किन्हीं दो माक्र्सवादी आलोचकों के नाम लिखो।

219. वैज्ञानिक समीक्षाकों में सबसे महत्त्वपूर्ण नाम किसका है?

220. 'हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' ग्रंथ के लेखक कौन हैं?

221. पाठालोचन क्या है?

222. पाठानुसंधान किसे कहते हैं?

223. पाठालोचन के चार अनुभाग कौन-कौन से हैं?

224. पाठालोचन में 'आदर्श प्रति' के क्या आशय है?

225. 'पुष्पिका' से क्या आशय है?

226. पाठालोचन में सहायक शास्त्रों के नामोल्लेख कीजिए।

227. सैद्धान्तिक आलोचना की परिभाषा लिखो।

228. सैद्धान्तिक आलोचना के मुख्य विषय कौन-कौन से हैं?

229. सैद्धान्तिक आलोचना का प्रारम्भ किस पुस्तक से माना जाता है तथा उसके लेखक कौन हैं?

230. ऐतिहासिक आलोचना की परिभाषा लिखो।

231. 'प्रोग्रेसिव राइटर्स एसोसिएशन' नामक अन्तर्राष्ट्रीय संस्था का पहला अधिवेशन कब, कहाँ और किसकी अध्यक्षता में हुआ?

232. प्रगतिशील आलोचना मूलतः किस दर्शन के प्रभावित है?

233. 1936 में प्रगतिशील लेखक संघ के प्रथम अधिवेशन में अध्यक्ष कौन थे?

234. प्रगतिशील हिन्दी समीक्षा के प्रधान विचारक कौन हैं?

235. शास्त्रीय आलोचना के रूपों का नामोल्लेख कीजिए।

236. कौनसी समीक्षा पद्धति साहित्य के स्वरूप का निर्धारण और विश्लेषण करती है?

237. नवशास्त्रीय आलोचना के प्रधान आचार्य कौन हैं?

238. हिन्दी काव्य साहित्य में स्वच्छन्दतावादी भावनाओं की अभिव्यक्ति का प्रवेश किस सन् से माना जाता है?

239. हिन्दी में स्वच्छन्दतावादी आलोचना के प्रमुख आलोचक कौन हैं?

240. 'कालिदास की लालित्य मीमांसा' के लेखक कौन हैं?

241. तुलना शब्द का क्या अर्थ है?

242. राष्ट्रीय एकता एवं मानवता के मूलमंत्र को अभिसिंचित करने वाली आलोचना कौनसी है?

243. प्रभाववादी आलोचना के शीर्षस्थ आलोचक कौन हैं?

244. प्रभाववादी आलोचना में कौन-कौन से गुण होने चाहिये?

245. सिग्मण्ड फ्रायड, एलफ्रेड एडलर व कालगुस्ताफ युंग आदि किस आलोचना के अन्तर्गत आते हैं?

246. फ्रायड द्वारा किये गये मन के भागों का नामोल्लेख कीजिए।

247. लिबिड़ो से क्या तात्पर्य है?

248. नई समीक्षा की दो विशेषताएँ लिखो।

249. फ्रायड के अनुसार लिबिड़ो की कितनी अवस्थाएँ होती हैं?

250. नई समीक्षा पदबंध का सर्वप्रथम प्रयोग किसने किया?

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों की उत्तर तालिका

1. (1) दृष्टि पक्ष (2) सृष्टि पक्ष

2. "उक्ति विशेषः काव्यम्।" हर उक्ति काव्य नहीं विशेष प्रकार की उक्ति ही काव्य है।

3. जब काव्य के गहन पर्यावलोकन और विश्लेषण के पश्चात् उसके स्वरूप की पहचान का कोई निश्चित नियम या मानक बना लिया जाता है तो उसे काव्य लक्षण कहते हैं।

4. लक्षण काव्य में काव्य के नियम पहले बना लिये जाते हैं फिर उनके आधार पर काव्य को दृष्टान्त के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

5. कुन्तक, भट्टनायक, आनन्दवर्धन।

6. तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृतीः पुनः क्वापि।

7. अर्ध नारीश्वर शिव-पार्वती।

8. कवि।

9. काव्यानन्द।

10. जयदेव, दण्डी, विश्वनाथ।

11. रमणीयार्थ प्रतिपादकः काव्यम् अर्थात् रमणीय अर्थ को प्रतिपादित करने वाला ही काव्य है।

12. दृश्य काव्य।

13. गद्य, पद्य व चम्पू या मिश्र।

14. प्रबंध काव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य), मुक्तक (दोहा पद, सोरठा आदि), गीतिकाव्य।

15. मिल्टन - पेराडाइज लोस्ट, पेराडाइज री-गैंड, होमर - इलियड, ओडेसी।

16. इसकी कथा का विकास कई चरणों में कई व्यक्तियों द्वारा होता है।

17. संक्षिप्तता, स्वतंत्रता, भाषाभिव्यंजना, चमत्कार, अभिव्यंजना कौशल।

18. व्यक्तिकता, प्रबल आवेग तथा रागात्मकता, सुसम्बद्धता व अन्विति, प्रवाह, संगीतात्मकता, लयबद्धता - धवन्यात्मकता।

19. भाव गीत, प्रेम गीत, रहस्यवादी गीत, प्रकृति गीत, दार्शनिक गीत, राष्ट्रीय गीत, शोक गीत।

20. सानेट, ओड - बोधन गीत, शोक गीत, सटायर - व्यंग्य गीत, रिफ्लेक्टिव - विचार प्रधान -स्मृति गीत तथा उपदेशात्मक गीत।

21. कवि शिक्षा के अन्तर्गत कवि में काव्य निर्माण की सामर्थ्य उत्पन्न करने वाले साधनों को काव्य-हेतु कहा जाता है।

22. प्रतिभा, व्युत्पत्ति, अभ्यास, समाधि।

23. जन्म जन्मान्तर से प्राप्त संस्कार कहा है, जिसके बगैर काव्य रचना नहीं हो सकती।

24. कारयित्री, भावयित्री।

25. काव्य प्रेरणा रचनाकार को बाहर से प्राप्त होती है, काव्य प्रेरणा रचनाकार को स्वयं अपने भीतर से मिलती है।

26. उचित अनुचित का विवेक ही व्युत्पत्ति है।

27. कला वस्तु को।

28. (1) चेतन मन (2) वैयक्तिक अवचेतन मन (3) सामूहिक अवचेतन मन

29. (1) इष्टदेव या आराध्य का स्वरूप व चरित्र (2) आचार्य या गुरु का निर्देशन (3) भक्तिभाव और प्रणय वन्दना की अनुभूति (4) मित्रों की जिज्ञासा।

30. (1) आत्माभिव्यंजना की इच्छा (2) मानव व्यापारों में अनुराग (3) नित्य और काल्पनिक संसार में अनुराग (4) सौन्दर्य प्रियता।

31. छह प्रयोजन बताये हैं - यश, अर्थ, अभिष्ट निवारण, व्यवहार ज्ञान, आनन्द और कान्ता सम्मित उपदेश।

32. तुलसीदास ने।

33. दो प्रयोजन (1) दृष्ट - प्रीति (2) अदृष्ट - कीर्ति

34. आचार्य वामन।

35. आचार्य विश्वनाथ।

36. प्लेटो।

37. (1) अनुकरण सिद्धान्त (2) विरेचन सिद्धान्त।

38. 18वीं सदी, इंग्लैण्ड में।

39. विलियम वर्ड्सवर्थ तथा उनके सहयोगी कालरिज

40. सिग्मण्ड फ्रायड

41. काव्य के व्यवहार सम्मत सैद्धान्तिक नियमन विवेचन का नाम ही काव्यशाó है।

42. सिद्धान्त-निरूपण, विवेचन, समीक्षण, विश्लेषण, वर्गीकरण तथा मूल्यांकण।

43. आचार्य भरत। यह नाटक, रंगमंच, नृत्य, गीत-संगीत, अभिनय, प्रशिक्षण, अभिनय के भेद, उपभेद, मंच-सज्जा आदि का विश्लेषण है।

44. आचार्य भामह।

45. जो अर्थ वाच्य अर्थ की अपेक्षा भिन्न होता है उसे ध्वनि कहते हैं।

46. आचार्य वामन।

47. (1) वर्ण विन्यास वक्रता (2) पदपूर्वार्द्ध वक्रता (3) पद पदार्थ वक्रता (4) वाक्य वक्रता (5) प्रकरण वक्रता (6) प्रबन्ध वक्रता।

48. आचार्य कुन्तक ने।

49. भावों का उत्कर्ष दिखने और वस्तुओं के रूप, गुण और क्रिया का अधिक तीव्र अनुभव करने में कभी-कभी सहायक होने वाली युक्ति अलंकार है।

50. माधुर्य, ओज और प्रसाद।

51. नौ।

52. शोक, जुगुप्सा।

53. आलम्बन विभाव, उद्दीपन विभाव।

54. (1) आंगिक या कायिक (2) वाचिक (3) आहार्य (4) सात्विक

55. कुल आठ - स्वेद, कम्पन, रोमांच, स्तम्भ, स्वरभंग, अश्रु, विवर्णता, प्रलय।

56. संचारीभाव स्थायी भावों के सहकारी कारण हैं, उन्हें रसावस्था तक ले चलते हैं, पर स्वयं बीच में जलतरंगवत् आविर्भूत और तिरोभूत होते हैं। संचारी भाव मनोविकार है। ये शरीर के धर्म नहीं है।

57. भट्टलोल्लट।

58. आचार्य शंकुक।

59. निर्वेद, ग्लानि, शंका, असूया, मद, श्रम, आलस्य आदि कुल 33 हैं।

60. भट्टलोल्लट।

61. आचार्य भामह।

62. काव्यालंकार - आचार्य भामह।

63. आचार्य उद्भट

64. दो सिद्धान्त है- (1) आश्रयाश्रित सिद्धान्त (2) अन्वय-व्यतिरेक सिद्धान्त।

65. चार भेद - (1) वैदर्भी (2) गौड़ी (3) पांचाली (4) लाटीय।

66. श्लेष, प्रसाद, समता, समाधि, माधुर्य, ओज, सुकुमारता, अर्थव्याप्ति, उदारता, कांति आदि कुल 10

67. श्लेष, प्रसाद, समता, समाधि, माधुर्य, ओज, सुकुमारता, अर्थव्याप्ति, उदारता, कांति आदि कुल 10

68. आचार्य क्षेमेन्द्र।

69. कुल 27 भेद किये हैं - पद, वाक्य, प्रबन्ध आदि।

70. आचार्य वामन।

71. आनन्दवर्धन।

72. जहाँ अर्थ स्वयं अपने अभिधेय अर्थ को गौण करके प्रतीयमान को प्रकाशित करते हैं उस काव्य विशेष को ध्वनि कहते हैं।

73. आनन्दवर्धन - ध्वन्यालोक।

74. तीन भेद - (1) रस ध्वनि (2) वस्तु ध्वनि (3) अलंकार ध्वनि।

75. व्यंजना।

76. वक्रोक्ति।

77. 6 भेद किये हैं - वर्ण-विन्यास वक्रोक्ति, पद पूर्वार्ध वक्रता, पद परार्ध वक्रता, वाक्य वक्रता, प्रकरण वक्रता व प्रबन्ध वक्रता।

78. श्लेष वक्रोक्ति, काकु वक्रोक्ति।

79. आचार्य वामन ने।

80. सुकुमार शैली, विचित्र शैली, मध्यम शैली।

81. आचार्य भरतमुनि - नाट्यशास्त्र।

82. आचार्य रामचन्द्रशुक्ल - रसमीमांसा, डा. नगेन्द्र - रससिद्धान्त।

83. "जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञान दशा कहलाती है उसी प्रकार हृदय की मुक्तावस्था रस दशा कहलाती है।"

84. "विभावानुभाव व्यभिचारी संयोगाद्रस निष्पत्ति।"

85. रति, हास, शोक, क्रोध, उत्साह, भय, जुगुप्सा, विस्मय, निर्वेद।

86. जिसके मन में भाव की अनुभूति हाती है।

87. भावों का आस्वादन कराने वाले कारण तत्व को।

88. भट्टलोल्लक, शंकुक, भट्टनायक, अभिनवगुप्त।

89. (1) अभिद्या (2) भावकत्व (3) भोजकत्व।

90. श्री शंकुक।

91. विभावादि का निविड़ निजत्व मोह से मुक्त होना ही साधारणीकरण है।

92. आचार्य भट्टनायक।

93. विभाव, अनुभाव, स्थायी तथा संचारी सभी का साधारणीकरण है।

94. आचार्य विश्वनाथ ने।

95. सामाजिक में।

96. "साधारणीकरण का अर्थ रचयिता और उपभोक्ता (कवि और दर्शक) क बीच भावना का तादात्म्य है। साधारणीकरण वास्तव में कवि-कल्पित समस्त व्यापार का होता है। कवल किसी पात्र विशेष का नहीं।

97. बाबू श्यामसुन्दरदास।

98. डा. गुलाबराय।

99. साधारणीकरण कवि की अनुभूति का होता है।

100. कवि के मूल भावों के साथ दर्शक या श्रोता का संबंध स्थापित होना।

101. 384 ई.पू. यूनान के उपनिवेश मकदूनिया नामक स्थान पर हुआ।

102. 400

103. 'पेरि पोइतिकेस'

104. अरस्तू के गुरु प्लेटो का।

105. प्लेटो का।

106. स्काट जेम्स ने अरस्तू के बारे में कहा।

107. किसी गंभीर स्वतःपूर्ण निश्चित आयाम से युक्त कार्य की अनुकृति को त्रासदी कहते हैं।

108. कथानक चरित्र विचार, पद विन्यास, दृश्य विधान और गीत।

109. धर्म परक अर्थ, नीति परक अर्थ, कला परक अर्थ।

110. शिक्षा के लिए, विवेचन के लिए, संगीत से बौद्धिक आनन्द की उपलब्धि होती है।

111. दि क्राइटरियन

112. टी.एस. इलियट

113. नागरता, भद्रता, ज्ञान, दर्शन और कला।

114. (1) द सेक्रेड वुड (2) होमेज टु ड्रायडन (3) द यूज आफ पोयट्री एण्ड द यूज आफ क्रिटिसिज्म आदि।

115. टी.एस. इलियट

116. मूर्त विधान।

117. दांते और वर्ड्सवर्थ।

118. साहित्य का बोध, साहित्य का आस्वादन।

119. वैयक्तिक प्रज्ञा, संवेदनशीलता का असाहचर्य, वस्तुनिष्ठ समीकरण।

120. जन साधारण की भाषा।

121. कार्ल माक्र्स और एंगेल्स।

122. द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद, ऐतिहासिक भौतिकवाद।

123. देमोक्रितु और एपी कुरू के प्राकृतिक दर्शन।

124. 1867 ई. में।

125. अपने राजनीतिक विचारों के चलते पेरिस और प्रुसियन सरकार क दबाव में।

126. सृष्टि एवं समाज का विश्लेषणात्मक अध्ययन, उस अध्ययन के जरिये सामाजिक परिवर्तन की कोशिश।

127. मनुष्य के सारे कर्तव्यों की प्रेरणा है - उत्पादन। इसी लक्ष्य को लेकर मनुष्य सामाजिक संबंधों को स्थापित करता है।

128. पूंजीवादी व्यवस्था। सर्वहारा वर्ग का।

129. कला और साहित्य को।

130. अफीम की।

131. क्रोचे, पुस्तक का नाम 'एस्थेटिक'।

132. सहज अथवा स्वयं प्रकाश ज्ञान, तर्क जन्य ज्ञान।

133. (1) प्रभाव ग्रहण करने की दशा (2) आन्तरिक कलात्मक सामंजस्य (3) आनुवांशिक अथवा कलाजन्य आनन्द (4) अभिव्यक्ति।

134. 'कला, कला के लिए' के सिद्धान्त को।

135. कुन्तक के वक्रोक्ति सिद्धान्त का।

136. निकृष्ट कोटि की।

137. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

138. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

139. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

140. रूप का।

141. "ए जनरल इंट्रोडक्शन टू साइको एनेलसिस"

142. तीन खण्डों में - (1) गलतियों का मनोविज्ञान (2) स्वप्न संबंधी सिद्धान्तों का मनोविज्ञान (3) स्नायु रोगों से संबंधित।

143. चार सूत्र - (1) कार्य-कारण का नियत संबंध (2) अचेतन मन (3) स्वप्न (4) मनोग्रंथियां।

144. 6 मई, 1856 ई. को चेकोस्लोवाकिया के छोटे से कस्बे फ्रीडबर्ग में हुआ।

145. मन का।

146. (1) एक तो बौद्धिक पूर्वग्रहों अर्थात् बने हुए संस्कारों को चोट पहुंचाता है। (2) नैतिक तथा सौन्दर्य संबंधी संस्कारों के पूर्वाग्राहों को चोट पहुंचाते हैं।

147. इच्छाओं और वासनाओं का दमन।

148. अज्ञेय, इलाचन्द्र जोशी, जैनेन्द्र।

149. एल्फ्रेड ऐडलर ने।

150. कार्ल गास्तोव जुंग का।

151. मार्क्सवाद।

152. जार्ज लुकाच।

153. जार्ज लुकाच।

154. मनुष्य के विचार, उसके भाव, उसके कार्य, समुदाय अथवा समाज के विचारों, भावों और कार्यों से अविच्छिन्न रूप से संबद्ध रहते हैं। उसे राजनीति कहते हैं।

155. लेखक और उसके अपने विश्व दृष्टिकोण के बीच रहने वाले संबंध की समस्या।

156. उपन्यास।

157. लेलिन का।

158. ऐसे साहित्य की आवश्यकता है जो हमारे समय के उलझनों से भरे जंगल में अपनी समूची प्रकाश किरणांे के साथ गहरे और अधिक गहरे संघ लगा सके, उसे आलोकित कर सके, अंधेरे का छांट सके।

159. साहित्य की श्रीवृद्धि करने के स्थान पर उसे दरिद्र और संकीर्ण बनाने में ही सहायक हुए है।

160. वह न तो एक सच्चा यथार्थवादी लेखक होता है और न वह एक अच्छा लेखक होता है।

161. आइ.ए. रिचर्ड्स

162. अनुभूतियों का पृथक्करण, अनुभूतियों का मूल्यांकन।

163. (1) अनुभूतियों के स्वरूप का ज्ञान (2) मूल्यांकन के सिद्धान्त का ज्ञान (3) संप्रेषण के सिद्धान्त का ज्ञान।

164. दो रूप - (1) वैज्ञानिक, प्रतीकात्मक, निर्देशात्मक या सूचनात्मक (2) रोगात्मक।

165. दो सिद्धान्त - (1) मूल्य सिद्धान्त (2) सम्प्रेषण सिद्धान्त।

166. (1) सामान्य अर्थ बोध की समस्या (2) केंन्द्रिय परिशंसन की समस्या (3) बिंबग्रहण की समस्या (4) घिसी-पिटी अभिक्रियाओं की समस्या आदि कुल 10

167. दो पक्ष - (1) आलोचनात्मक (2) प्राविधिक।

168. दि मींनिग आफ मीनिंग।

169. मनोविज्ञान पर।

170. मूल्य किसी वस्तु का वह धर्म (गुण) है जिसमें दूसरा परिशंसन अथवा रूचि निहित हो।

171. व्यक्ति का अस्तित्व समष्टि के समक्ष कुछ भी नहीं के रूप में तुच्छ हो गया है अतः व्यष्टि को समष्टि से जुझना है।

172. अस्तित्ववाद अनीश्वर और अनास्थात्मक सह जीवन परिस्थितियों के परिणामों को प्रस्तुत करने के प्रयास के सिवाय और कुछ नहीं है।

173. फ्रांज काफका का।

174. ईश्वरवादी अस्तित्ववाद, अनीश्वरवादी अस्तित्ववाद।

175. तृष्णा।

176. काम तृष्णा, भय तृष्णा और विभव तृष्णा।

177. तृष्णा के आत्यन्तिक निरोध, परित्याग और विनाश को दुःख कहते हैं।

178. अरविन्द दर्शन।

179. व्यक्ति परक साहित्य।

180. दुःख, दुःख समुदय, दुःख निरोध, दुःख निरोध गामिनी।

181. परम्परा की प्रतिष्ठा, सायास निर्मित कलाकृति, वस्तुनिष्ट कला, भावना का निषेध, सार्वभौमिकता, धरती से अटूट नाता।

182. क्यासिसिज्म।

183. इटली में।

184. नव्य शास्त्रवाद।

185. अभिजात्यवाद।

186. कल्पना, मुक्ति एवं स्वातंत्र्य, संवेदनशीलता, उत्कृष्ट प्रकृति प्रेम आदि।

187. आत्मपरक चेतना, प्रकृति चेतना, कल्पना प्रवणता, प्रेम एवं सौंदर्य भावना, परम्परागत रूढ़ प्रतिमानों के प्रति विरोध मानवतावादी जीवन दृष्टि, काव्यभाषा के प्रति दृष्टिकोण।

188. विलियम वर्ड्सवर्थ, सेमुअल टेलर कालरिज।

189. जिज्ञासा स्वच्छंदतावाद की स्थायी और अच्छी बात है।

190. प्लेटो के काव्यचिंतन में।

191. यूरोप में।

192. संस्कृति के प्रति तीखी प्रतिक्रिया।

193. धर्म, प्रवृत्ति, नैतिकता, प्रतिबद्धता, आस्था और मूल्यों के प्रति विद्रोह करता है।

194. (1) वह आधुनिकतावादी साहित्य जो आधुनिकीकरण के फलस्वरूप सृजित हुआ। (2) वह साहित्य जो आधुनिकीकरण की प्रतिक्रिया में सृजित हुआ।

195. प्रयोगवाद से।

196. व्यक्तिवाद या व्यक्ति सत्य, आत्मवाद या आत्म सत्य का।

197. विज्ञान में संदेहवादी और मूल्यहीन चरित्र क कारण।

198. मेरी पुस्तक का विरोध करने वाले भूल जाते हैं कि आधुनिकतावाद का पूरा का पूरा आन्दोलन संदेह पर टिका हुआ है।

199. अज्ञेय का।

200. श्रीकांत वर्मा।

201. 1960 ई. के आसपास।

202. (1) उत्तर आधुनिकता ने पाठ को महत्व दिया। (2) स्थानीयता और क्षेत्रीयता को महत्व दिया।

203. सुधीश पचैरी को।

204. (1) लीलाभाव बनाम उत्पादन की सद्दियता, (2) सांस्थानिक परम्परा का अतिक्रमण (3) सांस्कृतिक अनुशासन से पलायन (4) श्रवणशीलता बनाम चाक्षुषता

205. जैक देरिदा।

206. रागदरबारी - श्रीलाल शुक्ल, नौकर की कमीज - विनोद कुमार शुक्ल।

207. दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श, अल्पसंख्यक विमर्श, प्रवासी आदि।

208. सन् 2000 ई. से।

209. जैक देरिदा।

210. अस्मिता और अंतराल, आत्मा और अन्य।

211. भारतेन्दु युग से।

212. गोल्ड स्मिथ द्वारा लिखित हरमिट।

213. जयपुर से सन् 1902 में।

214. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डा. रामकुमार वर्मा, डा. भगीरथ मिश्र।

215. डा. गुलाबराय, डा. नगेन्द्र, डा. राममूर्ति त्रिपाठी।

216. आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी।

217. मनोविश्लेषणवादी

218. डा. रामविलास शर्मा, शिवदानसिंह चैहान।

219. डा. माताप्रसाद गुप्त।

220. डा. रामकुमार वर्मा।

221. हस्तलिखित ग्रंथों के शोध कार्य को पाठालोचन की संज्ञा दी गयी है।

222. पुरानी हस्तलिखित रचनाओं के पाठों के मूल तक पहुंचने के प्रयास को पाठानुसंधान कहते हैं।

223. सामग्री संकलन और वंश वृक्ष का निर्माण, पाठ-निर्माण, पाठ सुधार, उच्चतर आलोचन।

224. जिस प्रति को सामने रखकर नकल की जाती है उसे आदर्श प्रति कहते हैं।

225. हस्तलिखित ग्रंथों के उपसंहार या समाप्ति पर प्रतिलिपि का उद्देश्य रचनाकार या गं्रथ का नाम, प्रतिलिपिकार आदि की सूचना देने वाले अंश को।

226. लिपि विज्ञान, भाषा विज्ञान, साहित्यालोचन, इतिहास, पुरातत्व।

227. अनेक कृतियों का अध्ययन विश्लेषण करने के बाद जब आलोचक आलोचना के लिए कुछ मापदण्ड निर्धारित करता है तो उसे समीक्षा का सैद्धान्तिक समीक्षा कहा जाता है।

228. काव्य का स्वरूप, काव्य की आत्मा, काव्य हेतु, काव्य के तत्व, काव्य भेद, काव्य शिल्प, विशिष्ट काव्य मत।

229. नाटक - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र।

230. किसी कृति की आलोचना उसके रचनाकाल की विविध परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में करना ऐतिहासिक आलोचना है।

231. सन् 1935 में पेरिस में ई.एम. फास्टर की अध्यक्षता में हुआ।

232. मार्क्स दर्शन।

233. मुंशी प्रेमचन्द।

234. डा. रामविलास शर्मा।

235. रीतिवादी आलोचना, नवशास्त्रीय आलोचना।

236. शास्त्रीय आलोचना।

237. आचार्य रामचद्र शुक्ल।

238. सन् 1918-20 ई.।

239. आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी।

240. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।

241. किन्हीं दो वस्तुओं, स्थानों, व्यक्तियों, समय, विचारों, घटनाओं, विचारधाराओं में सादृश्य निरूपण तुलना कहलाता है।

242. तुलनात्मक आलोचना।

243. वाल्टर पेटर।

244. तीव्र संवेदन शीलता, भावानुभूति, कल्पनाशक्ति, चित्र की गतिशीलता आदि।

245. मनोवैज्ञानिक आलोचना।

246. चेतन, पूर्वचेतन और अवचेतन।

247. कामवृत्ति की ऊर्जा को लिबिडो कहते हैं।

248. कविता की भाषिक संरचना और आभ्यंतर संगति का प्रतिमान, सर्जनात्मक तनाव तथा विसंगति और विडंबना।

249. मुखवर्ती, गुदागत, लैंगिक, जननिक

250. कोलंबिया विश्वविद्यालय में तुलनात्मक साहित्य के प्रोफेसर स्पिनगार्न ने।

खण्ड ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न।

शब्द सीमा 100-150 शब्द

1. काव्य की परिभाषा एवं लक्षण के अर्थ को स्पष्ट कीजिए।

2. काव्य क्या है? सृजन या अनुकरण स्पष्ट कीजिए।

3. कुन्तक द्वारा साहित्य और वाङ्मय के बीच किये भेद को समझाओ।

4. काव्य लक्षण और लक्षण काव्य के स्पष्ट कीजिए।

5. काव्य के रूपक के रूप में 'काव्य पुरुष' एवं 'कविता कामिनी' को स्पष्ट कीजिए।

6. पंडितराज जगन्नाथ द्वारा प्रयुक्त काव्य लक्षण को लिखकर उसकी व्याख्या कीजिए।

7. महाकाव्य के स्वरूप पर चर्चा कीजिए।

8. खण्ड काव्य के स्वरूप को समझाइये।

9. मुक्तक काव्य किसे कहते हैं? समझाइये।

10. 'प्रगीति काव्य' क्या है? स्पष्ट कीजिए।

11. काव्य की परिभाषा एवं उसके भेदों को बतलाइये।

12. आचार्य दण्डी द्वारा दिये गये महाकाव्य के लक्षणों को लिखो।

13. कवि कुलगुरु रविन्द्रनाथ ठाकुर का काव्य के प्रेरणास्रोत के प्रति दृष्टिकोण क्या है?

14. संस्कृत काव्यशास्त्र परम्परा के अनुसार प्रतिभा नामक काव्य हेतु को स्पष्ट कीजिए।

15. प्रतिभा और कल्पना में संबंध को स्पष्ट कीजिए।

16. अनुकरण के सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

17. अधिकार भावना का सिद्धान्त क्या है?

18. आत्माभिव्यक्ति के सिद्धानत को समझाइये।

19. भामह द्वारा निर्दिष्ट काव्य प्रयोजनों को समझाओ।

20. नवजागरणकालीन चेतना और काव्य प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।

21. नव अभिजात्यवाद औरनव प्लेटोवादी विचारधारा को समझाइये।

22. स्वच्छन्दतावादी विचारधारा पर एक टिप्पणी लिखिये।

23. 'कला कला के लिए' के सिद्धान्त पर प्रकाश डालो।

24. 'कला जीवन के लिए' के सिद्धानत को समझाइये।

25. काव्यशास्त्र का टिप्पणी परक परिचय दीजिये।

26. काव्यशास्त्र की उपादेयता को स्पष्ट कीजिए।

27. अलंकार सम्प्रदाय का परिचय दीजिए।

28. ध्वनि सिद्धान्त को समझाइये।

29. औचित्य सिद्धान्त पर टिप्पणी लिखिए।

30. भरत के रससूत्र को लिखते हुए उसके व्याख्याकारों द्वारा की गई व्याख्या को समझाइये।

31. रस के स्वरूप की समीक्षा कीजिए।

32. स्थायीभाव किसे कहते हैं? विभिन्न रसों के स्थायी भावों का उल्लेख कीजिए।

33. विभाव की परिभाषा लिखते हुए उसके भेदोपभेद की समीक्षा कीजिए।

34. 'अनुभाव' पर एक टिप्पणी लिखिए।

35. शंकुक के अनुमितिवाद की समीक्षा कीजिए।

36. रस निष्पत्ति की व्याख्या में भट्टलोल्लट के योगदान को रेखांकित कीजिए।

37. अलंकार शब्द का आशय स्पष्ट कीजिए।

38. काव्य में अलंकारों के ¬प्रयोग के औचित्य पर एक टिप्पणी लिखो।

39. 'रीति' शब्द का अर्थ लिखते हुए काव्यशास्त्र में रीति के स्वरूप पर टिप्पणी लिखो।

40. पाश्चात्य काव्यशास्त्र और रीति की समीक्षा कीजिए।

41. 'औचित्य' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

42. 'औचित्य, काव्य की आत्मा है' पर टिप्पणी लिखो।

43. ध्वनि की परिभाषा लिखिए एवं उसके सवरूप को स्पष्ट कीजिए।

44. ध्वनि और रस के सम्बन्ध पर एक टिप्पणी लिखिए।

45. ध्वनि और कल्पना के सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

46. वाक्य वक्रता एवं प्रकरण वक्रता की समीक्षा कीजिए।

47. पद-पूर्वार्द्ध वक्रता को समझाते हुए उसके भेदों को स्पष्ट कीजिए।

48. ध्वनि और शब्द शक्तियों के सम्बन्ध की समीक्षा कीजिए।

49. रस क्या है? इसकी परिभाष लिखकर स्पष्ट कीजिए।

50. रस चिंतन की परम्परा पर एक टिप्पणी लिखिए।

51. भरतमुनि के रससूत्र पर एक टिप्पणी लिखो।

52. संचारीभावों पर एक टिप्पणी लिखिए।

53. भट्टलोल्लट के उत्पत्तिवाद का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

54. अभिव्यक्तिवाद की समीक्षा कीजिए।

55. साधारणीकरण के सम्बन्ध में भट्टनायक के मत की समीक्षा कीजिए।

56. साधारणीकरण के सम्बन्ध में अभिनव गुप्त के मत की विशेषताएँ बताइये।

57. आचार्य विश्वनाथ द्वारा विवेचित साधारणीकरण को स्पष्ट कीजिए।

58. नन्ददुलारे वाजपेयी की साधारणीकरण के मत पर टिप्पणी कीजिए।

59. बाबू गुलाबराय द्वारा दिये साधारणीकरण के मत को समझाइये।

60. साधारणीकरण के सिद्धान्त में धनंजय के योगदान की टिप्पणी कीजिए।

61. अरस्तू के जीवन परिचय एवं कृतित्व पर एक टिपपणी लिखिए।

62. काव्य के सम्बन्ध में प्लेटो का मत क्या था?

63. बूचर के अनुसार अनुकरण सम्बन्धी मान्यता के चार चरण कौन-कौन से हैं?

64. त्रासदी की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

65. त्रासदी के महत्त्व पर प्रकाश डालिये।

66. 'विरेचन और करूण रस' के साम्य और वैषम्य को समझाइये।

67. टी.एस. इलियट का सामन्य परिचय दीजिए।

68. इलियट के अभिजात्यवाद पर एक टिप्पणी लिखो।

69. काव्य और नैतिकता के सम्बन्ध में इलियट के विचारों पर प्रकाश डालिए।

70. काव्य भाषा के प्रति इलियट के मत को स्पष्ट कीजिए।

71. ''परम्परा कवि की वैयक्तिक प्रज्ञा के विकास में बाधक नहीं बल्कि साधक और सहायक है।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए।

72. वस्तुनिष्ठ समीकरण पर एक टिप्पणी लिखिए।

73. द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद पर प्रकाश डालिए।

74. ऐतिहासिक भौतिकवाद को स्पष्ट कीजिए।

75. मार्क्स के प्रारम्भिक जीवन पर प्रकाश डालिए।

76. मार्क्स वाद क्या है? एक टिप्पणी लिखिए।

77. मार्क्स वाद की मुख्य विशेषताएँ लिखिए।

78. मार्क्स के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

79. अभिव्यंजनावाद के स्वरूप पर प्रकाश डालिये।

80. 'कलावाद और अभिव्यंजनावाद' पर एक टिप्पणी कीजिए।

81. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने साहित्य में योरोप से आनेवाली किन-किन प्रवृत्तियों को रेखांकित किया है?

82. अभिव्यंजनावाद और काव्यकला के सामाजिक परिप्रेक्ष्य को समझाइये।

83. अभिव्यंजनावाद और वक्रोक्ति सिद्धान्त की समानता तथा असमानताओं का उल्लेख कीजिए।

84. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा अभिव्यंजनावाद के विरोध के मुख्य कारणों का उल्लेख कीजिए।

85. फ्रायड के अनुसार मनोग्रन्थियाँ क्या हैं? टिप्पणी लिखिए।

86. 'स्वप्न का सिद्धान्त और विश्लेषण' पर टिप्पणी कीजिए।

87. दमन और कुंठाएँ क्या हैं? समझाइये।

88. मानव जीवन में कामेच्छा की सर्वग्रासी भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

89. एल्फ्रेड ऐडलर व उनके सिद्धान्त पर प्रकाश डालिये।

90. आधुनिक साहित्य और कला पर फ्रायड के प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।

91. 'लुकाच में विरासत के प्रति संसक्ति' पर एक टिप्पणी लिखो।

92. 'लुकाच की दुष्टि में उपन्यास में प्रतिनिधि चरित्र' विषयक मत का स्पष्ट कीजिए।

93. आलोचनात्मक यथार्थवाद एवं समाजवादी यथार्थवाद को समझाइये।

94. लुकाच के समाजवादी यथार्थवाद की सीमाएँ बताइये।

95. लुकाच के साहित्य चिन्तन पर आपत्तियों की समीक्षा कीजिए।

96. 'आधुनिकतावाद: यथार्थ के निषेध का दृष्टिकोण' विषय पर लुकाच का मत लिखो।

97. रिचर्डस के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय दीजिए।

98. रिचर्डस के साहित्य-सिद्धान्तों का परिचय दीजिए।

99. रिचर्डस के 'मूल्य-सिद्धान्त' एवं 'सम्प्रेषण-सिद्धान्त' का निष्कर्ष लिखिए।

100. रिचर्डस के व्यावहारिक आलोचना सम्बन्धी सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

101. व्यावहारिक आलोचना के प्रयोग को करते समय रिचड्र्स ने कौन-कौन सी सावधानियाँ बरती?

102. व्यावहारिक आलोचना के भागों पर प्रकाश डालिए।

103. अस्तितववाद की दोनों विचारधाराओं पर प्रकाश डालिये।

104. 'मृत्यु और अस्तित्वहीनता' पर टिप्पणी लिखिए।

105. 'अरविन्द दर्शन और यथार्थवाद' की समीक्षा कीजिए।

106. 'स्वतन्त्रता का आतंक' क्या है? पश्चिमी साहित्य के अस्तित्ववाद के सम्बन्ध में विचार कीजिए।

107. पश्चिमी साहित्य में अस्तित्ववाद के परिप्रेक्ष्य में 'कुंठित मानसिकता' पर प्रकाश डालिए।

108. भारतीय चिन्तन की व्यक्तिक दृष्टि पर एक टिप्पणी लिखिए।

109. अभिजात्यवाद की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

110. अभिजात्यवाद और नव्य अभिजात्यवाद पर टिप्पणी कीजिए।

111. स्वच्छंदतावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

112. अभिजात्यवाद और स्वच्छंदतावाद में तुलना कीजिए।

113. अभिजात्यवाद के अर्थ को स्पष्ट कीजिए।

114. स्वच्छंदतावाद के अर्थ को स्पष्ट करते हुए विभिन्न विद्वानों द्वारा दी गई परिभाषाओं को लिखिए।

115. आधुनिकतावाद के अर्थ एवं स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

116. आधुनिकतावाद के लक्षण एवं विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

117. आधुनिकतावाद की समय सीमा पर चर्चा कीजिए।

118. आधुनिकतावाद की अवधारणा पर टिप्पणी लिखिए।

119. आधुनिकतावाद के सम्बन्ध में अज्ञेय के विचारों का उल्लेख कीजिए।

120. प्रयोगवाद और नई कविता के दौर में आधुनिकतावाद पर प्रकाश डालिए।

121. उत्तर आधुनिकता की विशेषताएँ लिखिए।

122. 'हिन्दी में उत्तर आधुनिकता और उसकी समय सीमा' पर टिप्पणी लिखिए।

123. कुछ हिन्दी उत्तर-आधुनिकतावादी पाठों का परिचय दीजिए।

124. उत्तर-आधुनिकता क्या है? समझाइये।

125. उत्तर-आधुनिकतावाद के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

126. साहित्य के अध्ययन के उद्देश्य में उत्तर-आधुनिकतावादी दृष्टि क्या है?

127. हिन्दी साहित्य में आलोचना विधा के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

128. हिन्दी आलोचना में भारतेन्दु के योगदान पर प्रकाश डालिए।

129. हिन्दी आलोचना में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अवदान पर टिप्पणी कीजिए।

130. शुक्लोत्तर युग में ऐतिहासिक समीक्षा को स्पष्ट कीजिए।

131. सैद्धान्तिक समीक्षा के मुख्य समीक्षक कौन-कौन हैं? उनकी भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

132. व्यावहारिक समीक्षा पर प्रकाश डालिए।

133. पाठालोचन की आवश्यकता पर एक टिप्पणी।

134. पाठालोचन के महत्त्व को बताते हुए उसके प्रमुख आलोचक एवं उनके कार्य पर प्रकाश डालिए।

135. सैद्धान्तिक आलोचना क्या है उसके महत्त्व को समझाइये।

136. सैद्धान्तिक आलोचना के प्रमुख आलोचक एवं उनके कार्य पर प्रकाश डालिए।

137. ऐतिहासिक आलोचना के अर्थ को स्पष्ट करते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

138. ऐतिहासिक आलोचना के प्रमुख आलोचकों एवं उनके ग्रंथों पर टिप्पणी कीजिए।

139. प्रगतिशील आलोचना पर एक टिप्पणी लिखो।

140. साहित्य के सम्बन्ध में डा. रामविलास शर्मा के विचारों का उल्लेख कीजिए।

141. शास्त्रीय आलोचना के प्रमुख आलोचकों पर प्रकाश डालिए।

142. नव शास्त्रीय आलोचना क्या है? स्पष्ट कीजिए।

143. स्वछन्दतावादी आलोचना के सम्बन्ध में कृष्णदत्त पालीवाल के विचारों पर प्रकाश डालिए।

144. प्रमुख स्वच्छन्दतावादी आलोचकों के कार्यों का मूल्यांकन कीजिए।

145. तुलनात्मक आलोचना की विशेषताएँ लिखो।

146. प्रभाववादी आलोचना की विशेषताएँ लिखो।

147. मनोवैज्ञानिक आलोचना में फ्रायड के योगदान पर टिप्पणी लिखिए।

148. मनोवैज्ञानिक आलोचना की विशेषताओं को रेंखाकित कीजिए।

149. नई समीक्षा की विशेषताओं को लिखिए।

150. तुलनात्मक आलोचक के लिए किन-किन तत्त्वों का ज्ञान अपेक्षित होता है।

निबंधात्मक प्रश्न।

शब्द सीमा 400-500 शब्द

1. 'मम्मट के काव्य लक्षण को ख्याति मिली है' इस पंक्ति के आधार पर मम्मट के काव्य लक्षण को विस्तार से समझाइये।

2. काव्य किसे कहते हैं? इसके विभिन्न रूपों पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

3. आचार्य भामह, रुद्रट, जयदेव एवं विश्वनाथ के काव्य लक्षणों की समीक्षा कीजिए।

4. उक्ति, सूक्ति और काव्योक्ति को विस्तार से समझाइये।

5. महाकाव्य के बारे में भारतीय एवं पाश्चात्य मतों को स्पष्ट कीजिए।

6. महाकाव्य सम्बन्धी पाश्चात्य धारणा क्या है?

7. गीतिकाव्य पर एक सारगर्भित निबन्ध लिखिए।

8. मुक्तक काव्य एवं प्रगीति काव्य को विस्तार से समझाइये।

9. संस्कृत काव्यशास्त्र परम्परा के अनुसार काव्य हेतु किसे कहते हैं? इसके विभिन्न भेदों को विस्तार से समझाइये।

10. पाश्चात्य काव्यशास्त्र में काव्य प्रेरणा पर एवं सारगर्भित निबन्ध लिखिए।

11. हिन्दी में काव्य प्रेरणा एवं काव्य हेतु विषयक चिन्तन को लिखिए।

12. सर्जना का उत्स क्या है? सविस्तार समझाइये।

13. संस्कृत के आचार्यों द्वारा निरूपित काव्य प्रयोजनों को विस्तार से समझाइये।

14. हिन्दी के विद्वानों द्वारा निर्दिष्ट काव्य प्रयोजनों को स्पष्ट कीजिए।

15. पाश्चात्य काव्य चिन्तकों के काव्य प्रयोजन के सम्बन्ध में दिये गये मतों को विस्तार से बताइये।

16. आचार्य मम्मट ने काव्य के कौन-कौन से प्रयोजन निर्दिष्ट किये हैं? सविस्तार लिखिए।

17. काव्यशास्त्र को समझाते हुए इसकी उपादेयता पर एक निबन्ध लिखिए।

18. भारतीय काव्यशास्त्र के सम्प्रदायों का परिचयात्मक उल्लेख कीजिए।

19. भारतीय काव्यशास्त्र के इतिहास एवं परम्परा पर एक आलेख लिखिए।

20. भारतीय काव्यशास्त्र की विशेषता बताते हुए बताइये कि साहित्य के अध्ययन में यह क्यों महत्त्वपूर्ण है?

21. रस के महत्त्व को समझाते हुए उसके विभिन्न अवयवों पर प्रकाश डालिए।

22. अभिनव गुप्त के अभिव्यक्तिवाद पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

23. भट्टलोल्लट के उत्पत्तिवाद एवं भट्टनायक के भुक्तिवाद की समीक्षा कीजिए।

24. रस सिद्धान्त को समझाते हुए उसकी व्याख्या कीजिए।

25. अलंकार सम्प्रदाय की समीक्षा करते हुए उसके महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

26. वामन के रीति सिद्धान्त को समझाते हुए विस्तार से चर्चा कीजिए।

27. 'औचित्य' का तात्पर्य बताते हुए औचित्य सम्प्रदाय के उद्भव और विकास की समीक्षा कीजिए।

28. हिन्दी के काव्याचार्यों द्वारा अलंकार विवेचन पर प्रकाश डालिए।

29. ध्वनि सिद्धान्त के भारतीय काव्यशास्त्र में महत्त्व पर सविस्तार चर्चा कीजिए।

30. ध्वनि और रस के सम्बन्ध पर एक लेख लिखिए।

31. वक्रोक्ति की परिभाषा लिखते हुए उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

32. वक्रोक्ति के भेदोपभेदों पर सविस्तार चर्चा कीजिए।

33. शंकुक के 'अनुमितिवाद' पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

34. भट्टनायक के भुक्तिवाद पर सविस्तार चर्चा कीजिए।

35. 'रस ब्रह्मस्वाद सहोदर है' के सन्दर्भ में रस के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

36. भरतमुनि के रस सूत्र में आये रस के अवयवों की व्याख्या कीजिए।

37. साधारणीकरण के सम्बन्ध में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के मत पर सविस्तार चर्चा कीजिए।

38. साधारणीकरण के विषय में डा. नगेन्द्र के विचारों की समीक्षा कीजिए।

39. साधारणीकरण के विवेचन में संस्कृत के आचार्यों के मतों का उल्लेख कीजिए।

40. आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, बाबू श्यामसुन्दर दास तथा डा. गुलाबराय के साधारणीकरण के मतों की व्याख्या कीजिए।

41. अरस्तू के अनुकरण सम्बन्धी विचारों को लिखते हुए उसकी व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।

42. अरस्तू के अनुकरण सिद्धान्त की शक्ति और सीमाओं का उल्लेख कीजिए।

43. त्रासदी के अर्थ को स्पष्ट करते हुए उसके तत्त्वों पर सविस्तार चर्चा कीजिए।

44. विरेचन सिद्धान्त को समझाते हुए उसकी व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।

45. टी.एस. इलियट ने काव्य के सम्बन्ध में कौन-कौन से सिद्धान्त (मान्यताएँ) दिये हैं? परिचय दीजिए।

46. इलियट के निर्वेयक्तिकता के सिद्धानत पर चर्चा कीजिए।

47. 'संवेदनशीलता का असाहचर्य तथा मूर्त विधान विषयक इलियट की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

48. इलियट के आलोचना के उद्देश्य विषयक मत पर प्रकाश डालिए।

49. मार्क्स के जीवन-परिचय पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

50. मार्क्स वाद के अर्थ एवं उसके वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।

51. मार्क्स के साहित्य चिन्तन पर चिन्तन कीजिए।

52. मार्क्स के सामाजिक यथार्थवाद की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

53. अभिव्यंजनावाद की अवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा कीजि।

54. अभिव्यंजनावाद के विषय में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के मतों को स्पष्ट कीजिए।

55. ''यूरोप का अभिवयंजनावाद हमारे यहाँ के पुराने वक्रोक्तिवाद-'वक्रोक्तिः काव्यजीवितम्'-का ही नया या विलायती रूप है।'' इस कथन के आलोक में अभिव्यंजनावाद और वक्रोक्ति सिद्धान्त की आपस में तुलना कीजिए।

56. अभिव्यंजनावाद को समझाते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

57. फ्रायड के मनोविश्लेषण के सिद्धान्त पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

58. फ्रायड के मनोविश्लेषण के सिद्धान्त का साहित्य व आलोचना पर पड़े प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

59. फ्रायड के मनोविश्लेषण के अन्य महत्त्वपूर्ण पक्षों की समीक्षा कीजिए।

60. फ्रायड के व्यक्तितव एवं उनके विचारों पर चर्चा कीजिए।

61. लुकाच के यथार्थवादी चिन्तन के आधार पर यथार्थवाद के स्वरूप को समझाइये।

62. यथार्थ और मिथ्या यथार्थ या यथार्थ विरोधी दृष्टिकोणों पर लुकाच के मतों का परिचय दीजिए।

63. लुकाच के विचार में लेखक की नैतिक दृष्टि क्या होनी चाहिए स्पष्ट कीजिए।

64. ''लुकाच की आलोचनात्मक यथार्थवाद के प्रति निष्ठा थी।'' इस कथन के परिप्रेक्ष्य में लुकाच के चिन्तन पर चर्चा कीजिए।

65. रिचर्डस के मूल्य-सिद्धान्त को समझाइये।

66. रिचर्डस के संप्रेषण-सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

67. रिचर्डस रिचड्र्स की व्यावहारिक आलोचना सम्बन्धी समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

68. ''आधुनिक अंग्रेजी साहित्य की आलोचना में रिचर्डस के सिद्धान्त क्रांतिकारी है।'' इस कथन के आलोक में रिचर्डस के सिद्धान्तों समीक्षा कीजिए।

69. अस्तित्ववाद को समझाते हुए उसकी अवधारणा पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

70. अस्तित्ववाद की विचाधारा में विद्यमान तत्वों की समीक्षा कीजिए।

71. भारतीय चिंतन में अस्तित्ववाद पर एक लेख लिखिए।

72. पश्चिमी साहित्य में अस्तित्ववाद पर सारगर्भित चर्चा कीजिए।

73. अभिजात्यवाद की पूर्व पीठिका पर प्रकाश डालते हुए प्रमुख प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

74. स्वच्छंदतावाद क उद्भव एवं उसकी पृष्ठ भूमिका को रेखांकित कीजिए।

75. स्वच्छंदतावाद के विकास में विलियम वर्ड्सवर्थ के योगदान पर प्रकाश डालिए।

76. सेमुअल टेलर कालरिज की स्वच्छंदतावाद सम्बन्धी मान्यताओं की समीक्षा कीजिए।

77. आधुनिकतावाद के उदय की पृष्ठभूमि पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

78. आधुनिकतावाद का अर्थ, परिभाषा एवं लक्षणों को लिखते हुए उसके स्वरूप का स्पष्ट कीजिए।

79. आधुनिकतावाद की अवधारणा को बताते हुए आधानुकतावादी विभिन्न साहित्य कलागत आन्दालनों की चर्चा कीजिए।

80. हिन्दी में आधुनिकतावाद के आरम्भ का समझाते हुए अज्ञेय के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

81. उत्तर आधुनिकता के उदय की पृष्ठभूमि पर चर्चा कीजिए।

82. उत्तर आधुनिकता के अर्थ, परिभाषा और स्वरूप की समीक्षा कीजिए।

83. उत्तर आधुनिकता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

84. हिन्दी में उत्तर-आधुनिकतावादी लेखक एवं उनकी कृतियों पर चर्चा कीजिए।

85. हिन्दी आलोचना के उद्‌भव एवं विकास पर सविस्तार चर्चा कीजिए।

86. भारतेन्दु युग में हिन्दी आलोचना के विकास पर एक लेख लिखिए।

87. द्‌विवेदी युग की हिन्दी आलोचना के महत्व एवं स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

88. शुक्लोत्तर युगीन हिन्दी आलोचना को समझाइये।

89. पाठालोचन की परिभाषा देते हुए उसके स्परूप को स्पष्ट कीजिए।

90. पाठालोचन में सहायक सामग्री एवं सहायक ग्रंथों पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

91. सैद्‌धान्तिक आलोचना के अर्थ को स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

92. ऐतिहासिक आलोचना की परिभाषा देते हुए उसक स्वरूप पर चर्चा कीजिए।

93. प्रगतिशील आलोचना से क्या तात्पर्य है? उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

94. प्रगतिशील आलोचना के विकास को बताते हुए उसके प्रमुख आलोचकों के कार्यों की समीक्षा कीजिए।

95. शास्त्रीय आलोचना के स्वरूप एवं उसके विकास को समझाइए।

96. स्वच्छंदतावादी आलोचना के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके विकास को स्पष्ट कीजिए।

97. तुलनात्मक आलोचना की पृष्ठभूमि एवं उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

98. प्रभाववादी आलोचना के अर्थ को बताते हुए उसके स्वरूप पर चर्चा कीजिए।

99. मनोवैज्ञानिक आलोचना की पृष्ठभूमि एवं उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

100. नई समीक्षा की पृष्ठभूमि को समझाते हुए उसके स्वरूप पर सविस्तार चर्चा कीजिए।